भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3354

जिसका उत्तर 09 अगस्त, 2023 को दिया जाना है।

18 श्रावण, 1945 (शक)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हेतु उत्कृष्टता केन्द्र

3354. कर्नल (सेवानिवृत) राज्यवर्धन राठौरः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बजट में यथा प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए उत्कृष्टता केन्द्रों (सीओई) की स्थापना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके लिए चुने गए शैक्षिक संस्थान कौन-कौन से हैं उनको चुनने के मानदंड क्या हैं और उनकी स्थापना के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है;

(ख) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए सीओई के प्रभावी कार्यान्वयन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए उद्योग हितधारकों के साथ क्या कार्यनीतियां और भागीदारी की योजना बनाई गई है;

(ग) एआई के लिए सीओई हेतु नामित बजट आबंटन और वित्तपोषण तंत्र क्या है और इन पहलों की सफलता के लिए निरंतर वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए क्या धारणीय योजनाएं हैं;

(घ) एआई से संबंधित प्रौद्योगिकियों में भारतीय कार्यबल की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एआई हेतु सीओई के माध्यम से पेश किए गए कौशल विकास कार्यक्रमों और प्रशिक्षण अवसरों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) अनुसंधान, विकास और तैनाती के संदर्भ में एआई हेतु सीओई के विशिष्ट फोकस क्षेत्र क्या हैं और यह एआई नीत नवाचारों के विकास को किस प्रकार पूरा करेगा; और

(च) प्रौद्योगिकीय प्रगति और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में एआई हेतु सीओई के प्रभाव का आकलन करने के लिए उपलब्ध निगरानी तंत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) से (च): एआई ट्रिलियन-डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का एक गतिज सक्षमकर्ता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम - भारत एआई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एआई नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और शासन से लेकर प्लेटफॉर्म और प्रौद्योगिकियां बना सकता है। "मेक एआई इन इंडिया और मेक एआई वर्क फॉर इंडिया" के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, बजट भाषण 2023-24 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की घोषणा की गई है। इन सीओई के प्रभाव का आकलन करने के लिए शैक्षिक संस्थानों, रणनीतियों, उद्योग हितधारकों के साथ नियोजित साझेदारी, वित्तपोषण तंत्र और निगरानी तंत्रों को सूचीबद्ध करने के लिए तंत्र की अवधारणा करने और एआई में प्रगति के साथ तालमेल रखने के लिए अपेक्षित कौशल सेट के साथ भारतीय कार्यबल को तैयार करने के लिए एआई के लिए पाठ्यक्रम का आकलन और डिजाइन करने के लिए बहु-हितधारक कार्य समूहों का गठन किया गया है।

*****